

पेपर नं. 9 (अ)
पारंपारिक तर्कशास्त्र सत्र - 5

1) तर्कशास्त्राचे स्वरूप:-

- अ. तर्कशास्त्राची व्याख्या, महत्व व स्वरूप
- ब. निगमी आणि विगमी अनुमान
- क. विधान, वाक्य व पदे

2) विधानांचे वर्गीकरण:-

- अ. निरूपाधिक विधाने
- ब. सोपाधिक विधाने
- क. A, E, I, O विधानांतील पदांची व्याप्ती

3) अव्यवहित अनुमान:-

- अ. विधान प्रतियोगी अनुमाने
- ब. उत्कर्षण: परिवर्तन आणि प्रतिवर्तन
- क. अव्यवहित अनुमानाच्या साहयाने अनुमानाची सिधता

4) व्यवहित अनुमान

- अ. सरल संविधान
- ब. मिश्र अनुलंब संविधान
- क. व्यवहित अनुमानाच्या साहयाने युक्तिवादाची सिधता

अभ्यासाची पुस्तके:-

- | | |
|---------------------------|---|
| 1. श्रीनिवास हरी दिक्षित | - तर्कशास्त्र |
| 2. हुत्याळकर, काळे, कावळे | - सुगम तर्कशास्त्र आणि वैज्ञानिक पद्धती |
| 3. नांगरे, वाघमोडे, हिरवे | - पारंपारिक तर्कशास्त्र, (शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन) |
| 4- K.T. Basantani | - Introduction to Logic |
| 5. Cohen and Nagel | - Introduction to Logic and Scientific Method |

Books for Reading:-

- | | |
|---------------------------|--|
| 1. श्रीनिवास हरी दिक्षित | - तर्कशास्त्र |
| 2. हुत्याळकर, काळे, सावळे | - सुगम, तर्कशास्त्र आणि वैज्ञानिक पद्धती |
| 3. नांगरे, वाघमोडे, हिरवे | - पारंपारिक तर्कशास्त्र, (शिवाजी विद्यापीठ, प्रकाशन) |
| 4. K. T. Basantani | - Introduction to Logic |
| 5. Cohen and Nagel | - Introduction to Logic and Scientific Method. |

Books for Reference

- | | |
|----------------------|--------------------|
| 1. प्रा. मुकुंद कदम | - सुलभ तर्कशास्त्र |
| 2. डॉ. ज. रा. दामोळे | - वैज्ञानिक पद्धती |